एक नजर में

शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ होना शुरू

बागली। क्षेत्र के प्रसिद्ध प्राकृतिक जलाभिषेक तीर्थ स्थल जटाशंकर एवं चंद्र केसर में पूरे सावन माह श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रहेगी पंडित नरेंद्र वैष्णव ने बताया कि सावन के महीने में पार्थिव शिवलिंग बनाकर उनका विधि विधान से पूजन करते हुए उनका विसर्जन करने से भोले नाथ प्रसन्न होते हैं। जटाशंकर महंत बद्री दास महाराज ने की बताया कि सावन के महीने में आने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए चाय की निशुल्क व्यवस्था आश्रम की ओर से की जाती है। बागली के प्राचीन शिवशंकर मंदिर के महंत मुकेश गोस्वामी ने बताया कि भगवान विष्णु ने चार महीने के लिए सृष्टि का संचालन शिव परिवार के सुपुर्द कर दिया है। जिसमें सावन का महीना भगवान शंकर स्वयं संभालेंगे यादव का महीना गणपति महाराज समा लेंगे कुंवार का महीना माता पार्वती संभालेंगी और कार्तिक का महीना भगवान कार्तिक मुरगन स्वामी संभालेंगे इस दौरान सभी तीज त्यौहार उल्लास के साथ मनाए जाएंगे

पूर्णेश्वर महादेव का श्री गणेश के रूप में श्रृंगार

सोनकच्छ। देवाधिदेव महादेव के प्रिय श्रावण मास के प्रथम दिन नगर के प्राचीन अन्नपूर्णा मंदिर स्थित पूर्णेश्वर महादेव मंदिर में भक्ति और आस्था का अनुपम संगम देखने को मिला। इस अवसर पर पूर्णेश्वर महादेव का भगवान श्रीगणेश के स्वरूप में मनमोहक एवं आकर्षक श्रृंगार किया गया। रंग-बिरंगे पुष्पों, विशेष अलंकरण और पारंपरिक सजावट से सुसज्जित भगवान के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। प्रात:काल से ही मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ एवं गणेश स्वरूप के दर्शन कर सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से भगवान का पूजन-अर्चन एवं आरती संपन्न हुई। आरती के पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया गया। पूरे दिन दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहा। मंदिर समिति ने बताया कि श्रावण मास के दौरान प्रतिदिन भगवान शिव का विभिन्न स्वरूपों में विशेष श्रृंगार किया जाएगा, जिसके दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचते हैं।

कॉलेज में किए सांस्कृतिक आयोजन

देवास। कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल मध्य प्रदेश के आदेश एवं प्राचार्य प्रमोद कुमार पलाश्या के मार्गदर्शन में 29 जुलाई 2026 को गुरू पूर्णिमा के अवसर पर महाविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती वंदना एवं पुजन से किया गया। सरस्वती वंदना महाविद्यालयीन छात्रा वैष्णवी शर्मा एवं नन्दनी गुर्जर द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में गायत्री परिवार से आये अतिथि प्रमोद निहाले एवं सुभाष का स्वागत हार एवं श्रीफल से किया गया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. ममता पथराड द्वारा कार्यक्रम की रूप रेखा एवं अतिथि परिचय कराया गया। विद्यार्थीयों ने सभी प्राध्यापको का तिलक लगाकर आशीष लिया गया। प्रमोद निहाले ने गुरुपूर्णिमा पर गुरू एवं शिष्य परम्परा के महत्व को और गहरा बताते हुये मार्गदर्शन दिया। सुभाष ने उम्र और विचारो में अंतर पर अपनी बात रखी। डॉ. प्रेमलता चौहान द्वारा गुरू और शिष्य के मध्य आ रही दूरी पर अपने विचार रखे, प्रो. गिरिश शिव द्वारा वैदिक काल से गुरू के महत्व को समझाया, प्रो. अंकुर विश्वकर्मा द्वारा भारतीय ज्ञान परम्परा पर अपने विचार साझा किये, डॉ. संगीता गुप्ता द्वारा गुरू एवं शिष्य पर अपने विचार व्यक्त किये, प्रो. मनोज मुवैल, डॉ. ममता शांवय द्वारा गुरू पूर्णिमा पर अपने विचार व्यक्त किये। अंत मे महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. प्रमोद कुमार पलाश्या द्वारा आशिष वचन दिये गयें। मंच का संचालन डॉ. कल्पना सिंह एवं डॉ. आकांक्षा शर्मा द्वारा दिया गया। डॉ. मेघा बाजपेई द्वारा आभार माना गया। मिडिया प्रभारी प्रो. गणेश कुशवाह, बाबुलाल पटेल एवं नितिन यादव रहे। स्वल्पाआहार प्रभारी प्रो. नूरबी खान एवं प्रो. उषा गौड रहे। गुरू पूर्णिमा के अवसर पर समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें। महाविद्यालय स्टाफ डॉ. दिव्या पाटिदार, प्रो. पुजा वर्मा, डॉ. पुर्णिमा करील, प्रो. नाजनीन पठान, प्रो. रश्मि पाटिल एवं जैद अहमद उपस्थित रहें कार्यलय स्टाफ दीपक गुप्ता, विमल बरूआ, मिश्रीलाल वर्मा, विजय कहार, रितेश चौधरी उपस्थित रहे। उक्त जानकारी नितिन यादव ने दी।

श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान संपन्न

देवास। श्री महावीर धाम जिनालय में अष्टाह्निका महापर्व के पावन अवसर पर आयोजित नौ दिवसीय श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं अर्चना महोत्सव का भक्तिमय वातावरण में समापन हुआ। 21 से 29 जुलाई 2026 तक चले इस धार्मिक महोत्सव में लगभग 60 जोड़ों ने लगातार नौ दिनों तक सिद्ध परमेष्ठी की आराधना कर धर्मलाभ प्राप्त किया। इस नौ दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का पुण्यार्जन एवं आयोजन निर्मल-मधुबाला, शैलेंद्र-बरखा, राकेश-उमा एवं विशाल-सारिका पाटनी परिवार द्वारा किया गया। परिवार ने पूरे नौ दिवसीय आयोजन में तन-मन-धन से समर्पित भाव से सेवा करते हुए सभी धार्मिक एवं आयोजन व्यवस्थाओं में विशेष सहयोग प्रदान किया। बड़ी संख्या में समाजजनों ने परिवार की इस धर्मप्रभावना एवं समर्पण की अनुमोदना की।

चौबीसा ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ दंपती का किया सम्मान

- चौबीसा ब्राह्मण समाज कश्यप गोत्र ने सामूहिक रूप से किया भेरु महाराज का पूजन-आरती
- सामूहिक धार्मिक आयोजन से समाज की नई पीढ़ी को मिलता हैं उचित मार्गदर्शन

बरोठा/देवास। भेरु पूर्णिमा और गुरु पूर्णिमा के अवसर पर चोबीसा ब्राह्मण समाज ने बरोठा स्थित भेरुजी का पूजन-अर्चन किया। कश्यप गोत्रीय परिवार के आयोजन में सामूहिक आरती आचार्य विवेक शर्मा ने कराई।

इस अवसर पर गोत्रीय परिजन सोनकच्छ, बरोठा, उज्जैन, रतलाम, देवास, डूंगरपुर, उदयपुर, पुणे, इंदौर आदि जगहों से परिवारजन को एकत्रित करने में उमेश शर्मा ने समन्वय स्थापित किया। सभी ने मिलकर भेरुजी महाराज का पूजन अर्चन किया। सर्वप्रथम भगवान को चोला चढ़ाया गया एवं चुरमे का नैवेद्य लगाकर महा आरती की गई। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ आशीर्वाद दाता राजेंद्र शर्मा बरोठा एवं उनकी पत्नी का सम्मान स्वर्गीय गोविंद प्रसाद शर्मा की स्मृति में परिवारजन ने शाल श्रीफल एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर किया। अभिनंदन पत्र का वाचन उमेश शर्मा उज्जैन ने किया।

परिवार के वरिष्ठ अरविन्द शर्मा ने आयोजन के चतुर्थ वर्ष में सफल होने पर सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि इस तरह के पारिवारिक आयोजन से नई आने वाली युवा पीढ़ी को हमारी संस्कृति संभ्यता एवं धार्मिक उत्तम परम्पराओं की शिक्षा प्राप्त होती है। आगामी जीवन के लिए मार्गदर्शन मिलता है साथ ही परिवार में सम्बंधों में प्रगाढ़ता आती हैं। इस अवसर पर मनोज शर्मा ने स्वर्गीय गोविंद दादा को सादर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित सभी की ओर से अन्य परिवार जन ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

पूजन में रामचंद्र पण्डित, विनोद कुमार शर्मा, प्रमोद कुमार शर्मा, कृष्ण मुरारी शर्मा, मुकेश शर्मा, दीपक शर्मा, सागर शर्मा, आशीष शर्मा, अरुण शर्मा, मनीष शर्मा, पुनीत सिदोत, पुलकित शर्मा, देवयांश शर्मा, परिवार की महिला पुरुष बच्चे आदि उपस्थित थे। संचालन परिवार के वरिष्ठ अरविंद शर्मा ने किया। आभार प्रदर्शन दीपक शर्मा उदयपुर ने माना।

सद्गुरु कबीर संस्था ने छात्रों को बांटे नि :शुल्क पौधे और फल

देवास। पर्यावरण को हरा भरा रखने और पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य गुरु पूर्णिमा पर भी नजर आया। इसके लिए सत्यनाम सदगुरु कबीर आध्यात्मिक शैक्षणिक सामाजिक सेवा समिति देवास के तत्वावधान में स्थानीय पंप चौराहे पर कार्यक्रम किया गया। कबीर पंथ के डीवी मिशन के मध्य प्रदेश प्रांत प्रतिनिधि महंत सतीश साहेब के मुख्य आतिथ्य और प्रसिद्ध भजन गायक बद्रीलाल मालवीय एवं सुमित्रा देवी की उपस्थिति में निशुल्क पौधे और फलों का वितरण किया गया। राहगीरों, स्कूली छात्रों के लिए अतिथियों द्वारा वितरण का कारवां निरंतर चलता रहा। करीब 1100 से अधिक पौधे निशुल्क वितरित किए गए। इस अवसर पर बच्चों व रहागिरो के लिए फल भेंट कर उन्हें तुलसी के पौधे भी भेंट किए और उनसे पोंधों की परवरिश करने का भी आग्रह किया ताकि आने वाले दिनों में पर्यावरण संरक्षण का जो मानव जीवन की जिम्मेदारी का काम है।

इंटर स्कूल पिट्टू प्रतियोगिता के बालक वर्ग में चिल्ड्रन्स पैराडाइज स्कूल ने जीता स्वर्ण पदक

देवास। देवास जिला पिट्ठू संघ द्वारा आयोजित इंटर स्कूल पिट्ठू प्रतियोगिता में चिल्ड्रन्स पैराडाइज स्कूल, नागदा (देवास) के अंडर-14 बालक वर्ग के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। स्वर्ण पदक विजेता टीम में शाद शेख, अल्फेज शेख, अरहान शेख, अमन शेख, मुआविया शेख, आतिफ शेख, उमर शेख, रोमन शेख एवं अरमान शेख , साहिक शेख शामिल रहे।

प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि देवास पुलिस अधीक्षक पुनीत गहलोत तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग से जावेद पठान की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। ।इस अवसर पर देवास जिला पिट्ठू संघ के अध्यक्ष कपिल व्यास, उपाध्यक्ष ऋतु व्यास, सचिव विवेक वंजारे , सहसचिव करिश्मा सोलंकी, कोषाध्यक्ष शिव प्रजापत, सदस्य राहुल, भिलाला, रोशनी चौधरी, एशियन जज प्रवीण ढोबले तथा आभा फाउंडेशन से आशीष राठौर उपस्थित रहे।

जामगोद में गुरू पूर्णिमा पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया

देवास। संत आशाराम बापू आश्रम, जामगोद में गुरु पूर्णिमा पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आश्रम को फूल-मालाओं, ध्वजों और बैनरों से आकर्षक ढंग से सजाया गया। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 8.30 बजे ऑडियो सत्संग से हुआ।

इसके बाद आश्रम की परंपरा के अनुसार आयोजन प्रभारी बी.डी. जामनेरा द्वारा विधिवत माला पूजन संपन्न कराया गया। श्रद्धालुओं ने पादुका पूजन एवं श्री आशा रामायण पाठ के माध्यम से गुरुदेव के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। भजन-कीर्तन के दौरान भक्तों ने उत्साहपूर्वक नृत्य कर भक्ति भाव प्रकट किया।

पादुका भ्रमण एवं विशेष सत्संग का भी आयोजन किया गया, जिसका श्रद्धालुओं ने लाभ लिया। दोपहर 12 बजे आरती के पश्चात दिनभर भोजन प्रसादी का वितरण चलता रहा। आश्रम परिसर में आश्रम सामग्री स्टॉल, ऋषिप्रसाद कार्यालय, व्यासपीठ, गौशाला तथा अन्य स्थानों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। इस वर्ष विशेष रूप से निर्मित दादा गुरु लीला शाह बापू मंदिर को भी आकर्षक रूप से सजाया गया था। आश्रम के मुख्य द्वार से व्यासपीठ तक श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। वाहनों की संख्या अधिक होने के कारण पार्किंग की विशेष व्यवस्था करनी पड़ी। श्री योग वेदान्त सेवा समिति के मीडिया प्रभारी रमाकांत बघेल ने बताया कि गुरु पूर्णिमा पर्व पर पिछले कई वर्षों का रिकॉर्ड टूट गया और सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन एवं सत्संग के लिए पहुंचे। उन्होंने कहा कि भक्तों का उत्साह और श्रद्धा निरंतर बढ़ रही है। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भी सुप्रचार एवं श्रद्धा के द्वारा साधकों ने भारी उत्साह दिखाया।

वंदे मातरम् बिल पास होने पर बीटीएस ने खुशियां मनाई

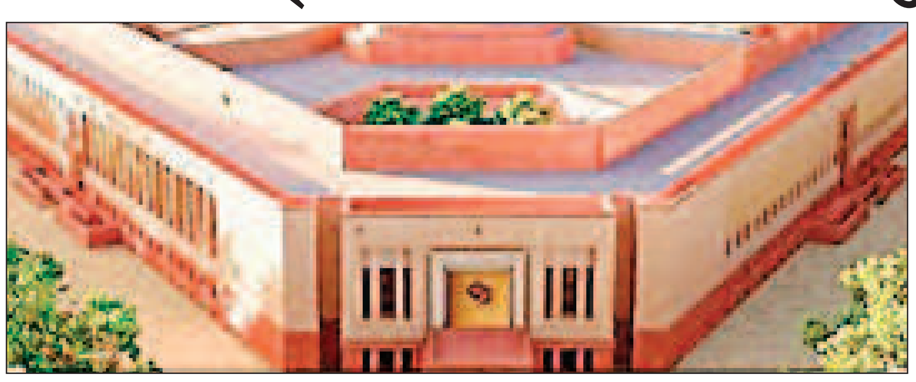

बागली। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर राष्ट्र भक्तों के लिए बड़ी खुश खबरी रही इस दिन वंदे मातरम बिल दोनों सदन में ध्वनि मत से पास कर दिया गया हालांकि विरोधियों ने इसे रोकने के लिए पूरा जोर लगाया लेकिन राष्ट्र भक्तों की संख्या अधिक होने से यह नियम पास हो गए अब कोई भी वंदे मातरम गीत का अपमान नहीं कर सकता ऐसा करने पर सजा का प्रावधान रखा गया है। बागली में भी वंदे मातरम बिल एवं लोक शिक्षण का बिल पास होने पर खुशियां मनाई गई भारत तिब्बत समन्वय संघ से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारी शिवेंद्र तिवारी प्रांत मंत्री शोभा गोस्वामी जिला अध्यक्ष इंदर सिंह ठाकुर शेखर खुशाल मनोज जोशी सुनील योगी मुकेश गुप्ता मुकेश गोस्वामी राजेश तंवर आदि ने बील का स्वागत करते हुए सभी को बधाई दी बागली विधायक मुरली भंवरा ने भी वंदे मातरम बिल पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आप हमारा देश वंदे मातरम गीत का अपमान नहीं सहेगा।

सेवा निवृत डिप्टी रेंजर प्रकाश बछानिया का निधन, नेमावर में होगी अंत्येष्टि

कन्नौद – समीपस्थ ग्राम ननासा निवासी नर्मदा प्रसाद (प्रकाश) बछानिया सेवा निवृत वनपाल (डिप्टी रेंजर का 64 वर्ष की उम्र में निधन हो गया ।बछानिया सेवा निवृत पश्चात अपने ग्रह ग्राम नानसा ही निवासरत थे द्य 30 जुलाई को प्रात: अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण उन्हें कन्नौद अस्पताल उपचार हेतु लाया गया जहाँ डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया ।श्री बछानिया ने अपने मिलनसार स्वभाव के कारण उन्हें प्रकाश के नाम से भी जाना जाता था द्य उन्होंने वन विभाग में देवास जिले के अंतर्गत कन्नौद, खातेगाँव ,उदयनगर,सहित अनेकों स्थानों पर अपनी सेवा दी है द्य साथ ही ड्यूटी के दौरान पूर्ण निष्ठा के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन किया उनके निधन पर वन विभाग में शोक व्याप्त है द्य उनकी अंत्येष्टि दिनाक 31 जुलाई को नर्मदा तट नेमावर में होगी ।

नवटपुरा आंगनवाडी केन्द्र पर मंगल दिवस पर बच्चों को कॉपी पेन बांटे

देवास। सीडीपीओ समीक्षा जैन की अनुमति तथा सेक्टर पर्यवेक्षक वंदना खरे के मार्ग दर्शन में मंगलदिवस का आयोजन आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 44/4 राजीव नगर अनवट पूरा देवास दक्षिण में किया गया जहां आंगनवाड़ी केंद्र की लाडली लक्ष्मी योजना की हितग्राही असंग सोनी पिता धर्मेंद्र सोनी का जन्मदिन पूरे धूम धाम से आंगनवाड़ी केंद्र पर मनाया गया। साथ ही बच्चों को शाला से भेट कार्यक्रम अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की तरफ से असंग सोनी के हाथों आंगनवाड़ी केंद्र तथा स्कूल के बच्चों को कॉपी पेन गिफ्ट दिलवाया गया और सभी बच्चों के पलकों से निवेदन किया गया कि 6 वर्ष पूर्ण किये अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजे तथा 3 से 6 वर्ष के बच्चों को नियमित रुप से शाला पूर्व शिक्षा के लिए आंगनवाड़ी केंद्र पर भेजें,साथ ही बच्चों के पोषण पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी सहायिका सीमा मालवीय के साथ दुर्गा सोनी, पिंकी मालवीय, पिंकी यादव, शीतल कुशवाह, महारानी सिंह सहित अन्य कई जागरुक महिलाएं उपस्थिति रही।

नशे से दूरी है जरूरी 2 .0 का औपचारिक समापन

सोनकच्छ। मध्य प्रदेश पुलिस व सामाजिक सहकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 15 दिवसीय अभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 का समापन थाना परिसर में नशे से दूर रहने के संकल्प के साथ हुआ। टीआई विक्रांत झांझोट ने कहा कि, नशे से दूरी है जरूरी 2.0 का भले ही औपचारिक समापन हो लेकिन ऐसा नहीं है कि, अभियान के बाद भी क्षेत्रवासी नशे करने वाले लोगों को प्रेरित करते रहे।

इस अभियान के कारण अगर 5 लोगों ने भी नशे से दूरी बनाई तो यह हमारा अभियान की सफलता को दर्शाता है। इस अभियान में खासकर नारकोटिक्स के अंतर्गत आने वाले नशे से दूरी बनाने के लिए क्षेत्रवासियों को अवगत कराया गया। कई गांवों और स्कूल में चौपाल के माध्यम से नशे से दूरी बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस नशे के दुष्प्रभाव के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही नशे मुक्ति केंद्रों के बारे में जानकारी दी गई। टीआई झांझोट ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि, गांजा, ड्रग्स जैसे नशे के बिक्री, परिवहन के बारे में सीधे जानकारी मुझसे साझा करें। उस पर एक्शन लिया जाएगा। ताकि पीढ़ियां बर्बाद होने से बचे। टीआई झांझोट ने अंत में कहा कि, क्षेत्रवासियों का इस अभियान में अच्छा सहयोग प्राप्त हुआ। परिसर में उपस्थित लोगों को नशे से दूरी के लिए संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर सुरक्षा समिति सदस्यों के साथ कई लोग मौजूद थे।

एक नजर

अंतर्मना के 9 निर्जलाहार उपवास के बाद पारणा हुआ भक्तों की अनुमोदना

वीरशासन जयंती पर कल्याण मंदिर विधान पूजन किया

सोनकच्छ। पुष्पगिरी तीर्थ उत्साह के साथ वीर शासन जयंती मनाई गई। जहां प्रात:दिव्य मंगल पाठ स्वाध्याय व श्री जी के अभिषेक शांतिधारा के बाद अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज ने कहा कि आज के दिन विपुलाचल पर्वत की पंच पहाड़ियों से भगवान महावीर स्वामी की 66 दिन बाद दिव्य देशना हुई थी। जहां राजा श्रेणिक ने भगवान से 60 हजार प्रश्न किए थे । श्रेणिक ने पूछा हे प्रभु बुद्धिमान कौन हे प्रभु ने कहा जो अपने ज्ञान को बढ़ाते हुए सम्यक ज्ञान की और बड़े वही बुद्धिमान है।

पुरुष कौन है जो पुरुषार्थ पूर्वक रत्नत्रय को प्राप्त करके निर्वाण को प्राप्त कर ले वही पुरुष है। कार्य कैसे करे। जीवन में घर परिवार समाज राष्ट्र का कोई भी कार्य करो तो विवेक पूर्वक करो और जो व्यवहार स्वयं को पसंद न हो वो दूसरों के साथ भी ना करो। क्योंकि आप जीवन में मुस्कुराहट दोगे तो तुम्हे भी मुस्कुराहट ही मिलेगी और दुख दोगे तो दुख ही मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज का समय में व्यक्ति को यह पता ही नहीं है कि उन्हें ज्ञानियों से प्रश्न करना क्या है। वही सांसारिक भौतिक विलासिता के प्रश्न कर जीवन का समय गवा रहा है। प्रश्न करना है तो यह करो कि मेरा आत्म कल्याण कैसे हो मुझे इस जन्म मरण के छुटकारा कैसे मिले यही प्रश्न जीवन की दिशा तय करेंगे। प्रवक्ता रोमिल जैन ने बताया कि वीर शासन जयंती के अवसर पर गणाचार्य पुष्पदंत सागरजी महाराज के सानिध्य में उत्साह के मनाई गई। जहां भक्तों ने जिनालय आचार्य प्रसन्न सागर महाराज के मुखारबिन्द से हो रहे मंत्रोच्चार के साथ कल्याणमंदिर विधान की पूजा अर्चना के अर्घ समर्पित किए।

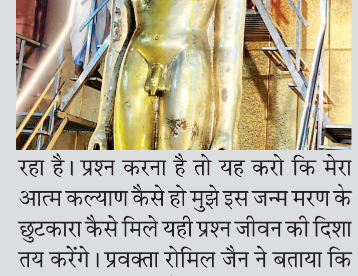

अंतर्मना के 9 निर्जलाहार उपवास

अष्टानिका पर्व पर अंतर्मना आचार्यश्री के 9 उपवास के बाद सफल पारणा हुआ। जहां सौम्य मूर्ति मुनि पीयूष सागर जी के निर्देशन में भक्तों ने उत्साह के साथ ढोल ढमाके पर भक्ति नृत्य किया व उपवास की अनुमोदना करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। पारणा के बाद शिष्य ने गुरु के चरण पखार आशीष लिया।